समाचार

नगर निगम कर्मचारियों के साथ शासन की दोहरी नीति–कर्मचारी नेता

(छ.ग. स्वायत्तशासी कर्मचारी महासंघ की बैठक में दोहरी नीति के प्रति कर्मचारी नेताओं ने जताया आक्रोश)

कोरबा 20 जुलाई 2015 –छ.ग. स्वायत्तशासी कर्मचारी महासंघ के प्रदेश पदाधिकारियों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा है कि प्रदेश के नगरीय निकायों के अधिकारी कर्मचारियें के साथ शासन द्वारा दोहरी नीति अपनाई जा रही है। आज पर्यंत छठवे वेतनमान के एरियर्स से नगरीय निकाय के अधिकारी कर्मचारी वंचित हैं, अन्य प्रदेशों की अपेक्षा यहां के निकायों को चुग्गी क्षतिपूर्ति प्रति व्यक्ति के हिसाब से कम मिलती है, साथ ही कर्मचारियों की सामान्य अंशदान की राशि भी चुग्गी क्षतिपूर्ति के वास्ताविक प्रतिशत से कम काटी जा रही है।

छ.ग. स्वायत्तशासी कर्मचारी संघ नगर पालिक निगम कोरबा की विगत दिनों निगम के पंचवटी विश्रामगृह स्थित सभागार में एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में प्रमुख रूप से छत्तीसगढ़ स्वायत्तशासी कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष जयनारायण श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष अखिलेश शुक्ला, प्रदेश महामंत्री अमरनाथ दुबे, संगठन मंत्री विष्णु चन्द्राकर तथा प्रदेश कोषाध्यक्ष रामेश्वर चन्द्राकर, नगर निगम कोरबा इकाई के अध्यक्ष गिरीश साहू, महामंत्री अली बख्श के साथ ही संघ के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित थे। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष जयनारायण श्रीवास्वत ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में नगरीय प्रशासन व विकास विभाग के अडियल रवैये के परिणाम स्वरूप पूरे प्रदेश के नगरीय निकाय कर्मचारी छठवे वेतनमान के एरियर्स से वंचित हैं। प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा एरियर्स हेतु समिति गठित की गई थी किन्तु आज पर्यंत समिति द्वारा कोई निर्णय नहीं लिया गया। उन्होने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण हैं तथा नगरीय निकाय कर्मचारियों के साथ दोहरी नीति का परिचायक है, इस मौके पर प्रदेश महामंत्री श्री अमरनाथ दुबे ने कहा कि छ.ग. के नगरीय निकायों को प्रति व्यक्ति के हिसाब से मिलने वाली चुग्गी क्षतिपूर्ति अन्य प्रदेशों से अपेक्षाकृत काफी कम मिलती हैं, उदाहरण के लिए मध्यप्रदेश में 80 रूपये प्रति व्यक्ति के हिसाब से चुग्गी क्षतिपूर्ति निकायों को दी जाती हैं, जबकि छ.ग. में प्रति व्यक्ति 26 रूपये की दर से चुग्गी क्षतिपूर्ति दी जा रही है। उन्होने कहा कि कर्मचारियों की सामान्य भविष्यनिधि में अंशदान की राशि चुग्गी क्षतिपूर्ति से 30 प्रतिशत की दर से काटी जा रही है, जबकि वास्ताविक राशि कई गुणा ज्यादा है। परिणाम स्वरूप निकायों को प्रतिमाह लाखों रूपये का नुकसान हो रहा है। इस मौके पर संगठन मंत्री श्री विष्णु चन्द्राकर ने कहा कि नगरीय प्रशासन विभाग निकाय कर्मचारियों के साथ दोहरी नीति अपना रहा है, अपने कुछ चाहेते कर्मचारियों को एरियर्स राशि दे दी गई है, जिसकी कापी संघ को भी मिली है, आखिर जब कुछ कर्मचारियों को एरियर्स दिया जा सकता है तो अन्य कर्मचारियों को क्यो नहीं। उन्होने कहा कि छ.ग. स्वायत्तशासी कर्मचारी संघ द्वारा अपनी कर्मचारी मांगों को लेकर प्रदेश स्तर पर तीन बार अपनी ताकत दिखा चुका है, आवश्यकता पड़ी तो संघ कर्मचारी हितों को लेकर न्यायालयीन लड़ाई भी लड़ेगा। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष अखिलेश शुक्ला व प्रदेशा कोषाध्यक्ष रामेश्वर चन्द्राकर ने भी संबोधित किया।

बैठक में छ.ग. स्वायत्तशासी कर्मचारी महासंघ के पदाधिकारीगण व्ही.के. सारस्वत, संजय तिवारी, बी.डी. वैष्णव, आनंद दुबे, अरूण मिश्रा, विकास शुक्ला, कमल लहरे, विपिन मिश्रा, उत्तम राठौर, मनोज श्रीवास, लीलाधर पटेल, राजकुमार, गोविन्द पालीवाल, अरविन्द सिंह, हेमंत गवेल, सेवन राठौर, मनीष मिश्रा, अरविन्द पाण्डेय, रमेश सूर्यवंशी, फिरतुराम साहू, गरीबदास, जागेश्वर यादव, एच.आर. बघेल, राजेश कुमार चन्द्रा, परस, प्रकाश तिवारी, सनत कुमार राठौर, शत्रुहन, महावीर प्रसाद राठौर, संतोष साहू, अजीत कुमार परमहंस, नरेश चन्द्र श्रीवास, रामाधार सागर, शिवकुमार कश्यप, इंद्रजीत पाटले, प्रदीप झा, इम्तियात अली, बलराम साहू, गिरीश दुबे आदि उपस्थित थे।

संपादकव्यूरोचीफ.....
कृपया प्रकाशनार्थ सादर संप्रेषित

(रावेन्द्र सिंह)
मीडिया प्रभारी
छ.ग. स्वायत्तशासी कर्मचारी संघ
नगर पालिक निगम
कोरबा (छ.ग.)